मध्य प्रदेश की फसलें

तुम्हारे यहाँ कौन–कौन सी फसलें लगती हैं?

जिन खेतों में सिंचाई की व्यवस्था है उनमें क्या–क्या उगाया जाता है और जिनमें सिंचाई की व्यवस्था नहीं है उनमें क्या उगाया जाता है?

कहाँ क्या फसल उगाते हैं

मध्य प्रदेश के किस इलाके में ज़्यादा बरसात होती है और किसमें कम, इसका तो तुम्हें कुछ अंदाज़ा हो गया होगा। बरसात वाला नक्शा भी देख सकते हो। कहाँ कौन सी नदियाँ हैं यह भी याद हो गया होगा। कुछ अंदाज़ा तो तुम खुद ही लगा लोगे कि कहाँ कौन सी फसल लगाई जाती होगी। क्या तुम बता सकते हो कम बारिश वाले इलाकों में कौन–कौन सी फसलें होती होंगी? अधिक बारिश वाले इलाकों में कौन सी फसलें होंगी?

ज़रा फसलों वाला नक्शा देखो। इसमें किन–किन फसलों के बारे में बताया गया है?

अब इसे थोड़ा और समझें। पहले मध्यप्रदेश के पूर्वी हिस्से को ही देखें। यहाँ बारिश ज़्यादा होती है। जो फसलें तुमने ऊपर लिखी हैं उनमें से सबसे ज़्यादा पानी की ज़रूरत किसको होती है? तो अब नक्शे में देखो धान कहाँ–कहाँ उगाया जाता है।

मध्यप्रदेश के दूसरे भागों में भी ये फसलें उगती हैं। कहीं एक फसल ज़्यादा लगती है तो कहीं दूसरी। इस पाठ में हम मध्यप्रदेश की फसलों के बारे में पढ़ेंगे। सबसे पहले जंगल और फसल वाले नक्शे को देखो। तुम देख सकते हो कि जहाँ घने जंगल हैं, वहाँ खेत कम होते हैं। और जहाँ खेत हैं, वहाँ जंगल नहीं होते।

बारिश को देखकर लोग तय करते हैं कि कौन–सी फसल बोनी है। जहाँ अधिक बारिश होती है, वहाँ धान उगाया जाता है। मध्य प्रदेश के पूर्वी भाग में अधिक बारिश होती है और पश्चिम में कम।

धान की खेती

मध्य प्रदेश की फसलें

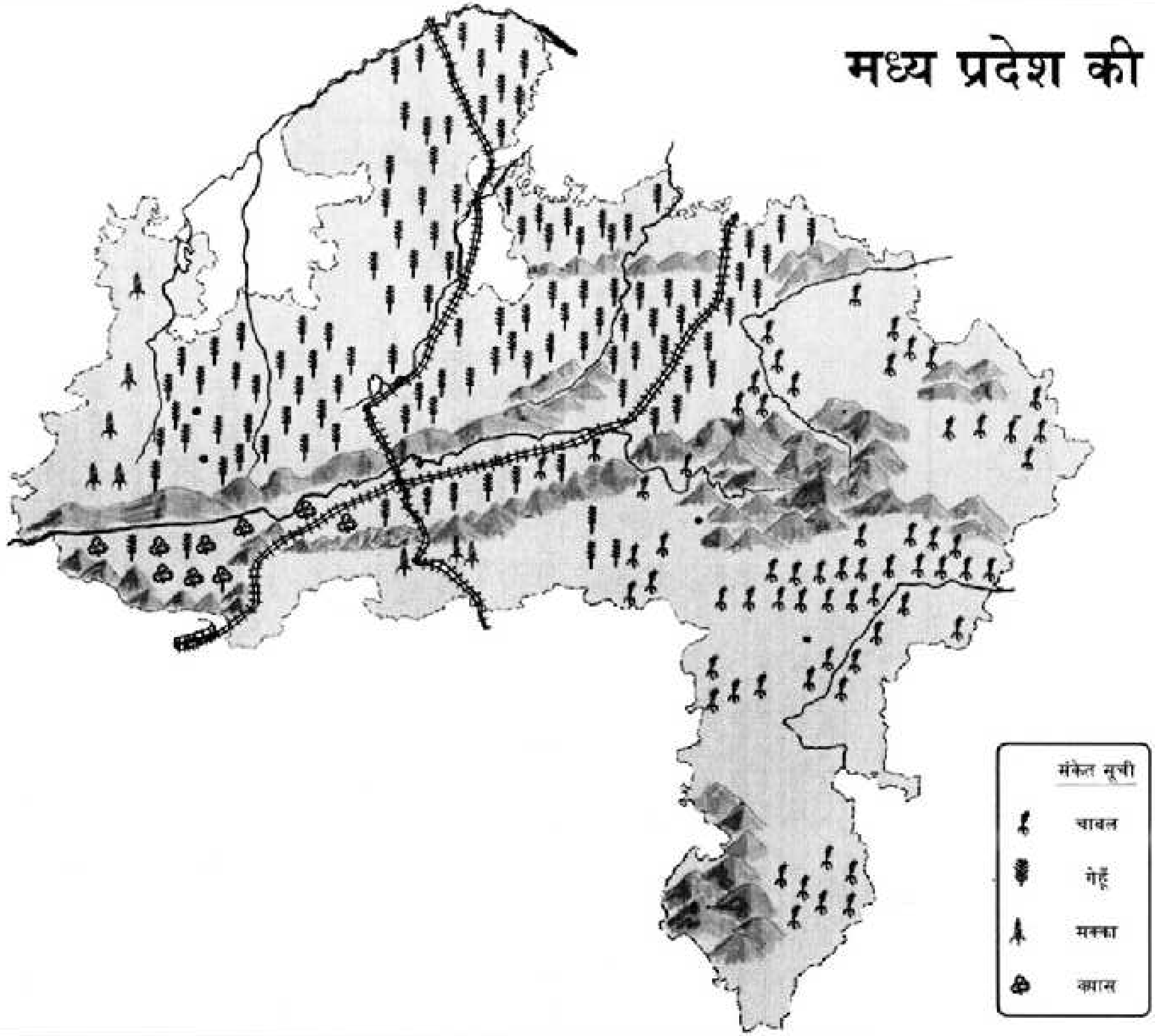

पूर्वी मध्यप्रदेश में जंगल ज्यादा हैं इसलिए खेती के लिए ज़मीन कम बची है। यहाँ महानदी जिस इलाके में बहती है उसे छत्तीसगढ़ का इलाका कहते हैं। इस नाम का मतलब समझ सकते हो? कोशिश करो। इतना बता दें कि गढ़ माने किला। इस ज़मीन में ज़्यादातर धान बोया जाता है । यह इलाका धान के लिए प्रसिद्ध है। इसे धान का कटोरा भी कहा जाता है।

धान की खेती

जब बरसात शुरू होती है तब धान की बोनी होती है। पहले धान के रोपे तैयार किए जाते हैं। छोटे–छोटे खेतों में (जिन्हें गढईया कहते हैं) तैयार किये जाते है। गढईया की मिट्टी की गढ़ाई करते हैं। फिर इसमें पानी भर देते हैं। जब खेत तैयार होता है तब धान का रोपा इसमें लगाया जाता है। धान की फसल को तैयार होने में लगभग तीन से चार महीने लग जाते हैं।

इन चित्रों में धान की पूरी कहानी है। इसे पढ़ते जाओ और चित्र ढूँढते जाओ।

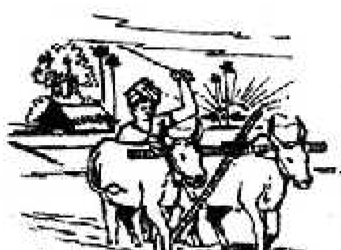

– कुँए से मोटर द्वारा पानी खींचकर खेत में भरा जा रहा है। बरसात कम हो या न हो तो पानी के और साधनों का उपयोग किया जाता है।

– पानी में डूबे हुए खेत में हल चलाकर उसे बोनी के लिए तैयार किया जा रहा है।

– धान के रोपे खेत में लगाए जा रहे हैं।

– पकी हुई फसल की कटाई हो रही है।

– चावल के दानों को पौधे से अलग करने के लिए उसे जमीन पर पीटा जा रहा है।

– चावल को मंडी / बाजार ले जाने के लिए बोरों में भरा जा रहा है।

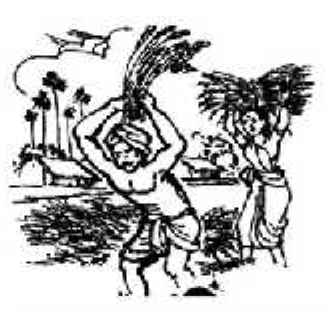

तुम बताओ धान की फसल किन महीनों में बोई जाती और किन में काटी जाती होगी?

इसी दौरान तुम्हारे इलाके में कौन सी फसल लगाई जाती है?

पूर्वी मध्यप्रदेश में चावल के अलावा और भी कई फसलें होती हैं जैसे अलसी, तिल, मूँगफली, तुअर, कुटकी, कोसरा।

इनमें से जिन फसलों से तुम परिचित हो उनके बारे में बताओ कि वो किन मौसमों में लगती है?

मध्य-मध्य प्रदेश के बीच का भाग

चावल के इलाके से पश्चिम की तरफ चलें। यह बताओ कि यहाँ कौन-सी फसल ज़्यादा दिखाई गई है? यहाँ बारिश न अधिक होती है और न कम। ऐसे में यहाँ कुछ-कुछ जगहों पर धान तो हो जाता है मगर ज़्यादातर दूसरी फसलें होती हैं। यहाँ की प्रमुख फसल क्या है नक्शा देखकर बताओ।

गेहूँ

बारिश के मौसम के खत्म होने पर दीवाली के आसपास गेहूँ बोया जाता है। इस समय रातें ठंडी होती हैं और धीरे-धीरे सर्दी बढ़ती जाती है। सर्दी के मौसम में थोड़ी बारिश हो जाए तो गेहूँ को फायदा होता है। जब नहीं होती तो और तरीकों से खेत सींचने पड़ते हैं।

कुछ जगहों पर इसी समय चना भी उगाया जाता है।

अपने गेहूँ के खेत को निहारता किसान

अब बताओ कि गेहूँ की फसल किन महीनों में बोई जाती है और किन में काटी जाती है?

जिस मौसम में गेहूँ नहीं लगता उसमें भी कई फसलें उगाई जाती हैं। जैसे कहीं चावल, कहीं ज्वार-बाजरा, कहीं मक्का और दालें। कई इलाकों में सोयाबीन उगाया जाता है।

तुम्हारे आसपास इनमें से कौन सी फसलें लगाई जाती हैं? ये किन महीनों में बोई और काटी जाती है?

पश्चिमी मध्य प्रदेश

बारिश का नक्शा देखकर यह तो तुम समझ गए होगे कि मध्य प्रदेश के पश्चिम में बरसात कम होती है। बताओ, क्या यहाँ चावल लग पाएगा ? हालांकि यहाँ बारिश कम होती है, फिर भी इस इलाके में गेहूँ पैदा होता है। इस क्षेत्र में काली मिट्टी है। बारिश कम होने पर भी इसमें नमी रहती है। इस वजह से यहाँ गेहूँ उगाना संभव है।

बरसात के बाद के मौसम में यहाँ ज्वार, बाजरा, मक्का, दालें और कहीं–कहीं सोयाबीन होते हैं। सर्दी के मौसम में गेहूँ , मूँगफली, चना, तिलहन आदि होते हैं।

कपास

पश्चिमी इलाके के कुछ हिस्सों में कपास महत्वपूर्ण फसल है। कपास ऐसी जगह पर अच्छी होती है जहाँ बरसात बहुत ज़्यादा नहीं होती। पर इसे बोने का समय बरसात शुरू होने पर ही होता है। परंतु जड़ को पानी तो चाहिए ही इसलिए कपास के लिए काली मिट्टी, जिसमें नमी रखने की क्षमता अधिक होती है, बढ़िया होती है। सितंबर तक खेत में सफेद कपास चुनने के लिए तैयार हो जाती है। पकते और चुनते समय अगर बारिश हो जाए तो फसल को नुकसान हो जाता है।

कपास चुनकर बोरों में भरते हुए

अब अंदाज़ा लगाओ मध्य प्रदेश में कपास किस इलाके में होता होगा? फिर नक्शे में देखो । क्या तुम्हारा अंदाजा सही था? पश्चिमी मध्यप्रदेश में काली मिट्टी का काफी बड़ा इलाका है। काली मिट्टी बहुत उपजाऊ होती है यानी इसमें फसलें अच्छी होती हैं। कम बरसात के बावजूद यहाँ गेहूँ भी इसीलिए हो पाता है, याद है?

यह बताओ, अब तक हमने जिन फसलों के बारे में पढ़ा उनमें और कपास में क्या अंतर है?

ऐसी और फसलों के नाम बताओ जो तुम्हारे इलाके में होती हैं पर जिनका खाने में उपयोग नहीं होता हो।

मक्का

मक्का से तुम परिचित होगे। क्या यह तुम्हारे बाड़े में या आसपास खेतों में उगाई जाती है? मध्य प्रदेश के नक्शे में देखो कि मक्का किन इलाकों में उगाई जाती है?

मक्का को फलने के लिए गर्मी और नमी दोनों की ज़रूरत होती है। इसलिए इसे इन इलाकों में बरसात शुरु होते ही लगा दिया जाता है, जब मिट्टी गीली होती है। पकने के दौरान अगर बरसात

हो जाए तो अच्छा होता है। सूखी गर्मी पड़ जाए या ओले गिर जाएँ तो फसल अच्छी नहीं हो पाती।

तुम्हारे इलाके में क्या मक्का के साथ ही बाड़े में और पौधे लगाए जाते हैं? शायद बलहर या और कोई भी।

जिस तरह धान के इलाके में लोगों का मुख्य अनाज चावल होता है और गेहूँ के इलाके में मुख्य अनाज गेहूँ होता है, उसी तरह जहाँ मक्का उगाया जाता है वहाँ मक्का मुख्य अनाज होता है। मक्का से खाने की कई चीज़े बनाई जाती हैं।

तुम आपस में चर्चा करके बताओ क्या–क्या।

सामने मक्के के पौधे का चित्र दिया गया है। इसके अलग–अलग हिस्सों के नाम लिखो।

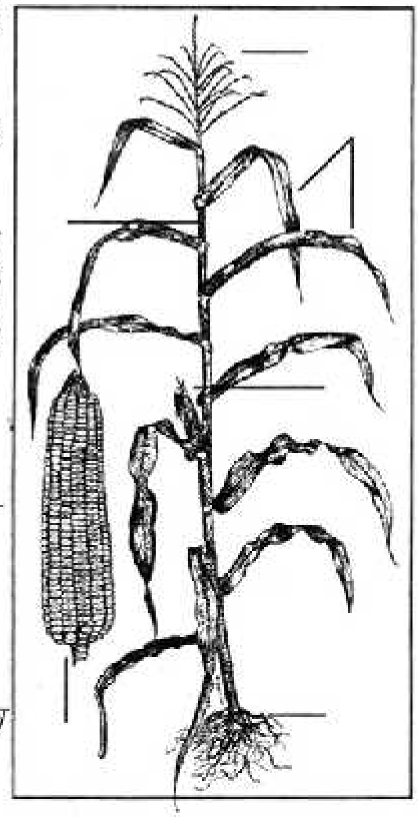

फसलों के मौसम

चलो ऐसी सभी फसलों के बारे में जिन्हें हम जानते हैं इस तालिका में भरें।

अधिक वर्षा के इलाके में			मध्यम वर्षा के इलाके में			कम वर्षा के इलाके में		
फसल	जून–अक्तूबर	अक्तूबर–मार्च	फसल	जून–अक्तूबर	अक्तूबर–मार्च	फसल	जून–अक्तूबर	अक्तूबर–मार्च
मुख्य								
अन्य								

जून से अक्तूबर में जो फसलें लगती हैं उन्हें खरीफ की फसलें कहते हैं।

अक्तूबर से मार्च में जो फसलें लगती हैं उन्हें रबी की फसलें कहते हैं।

खरीफ के मौसम में कौन–कौन सी फसलें होती हैं?

रबी के मौसम में कौन–कौन सी फसलें होती हैं?